14-15 Apr. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

Date: 14-15 Apr. 2024

Important News Articles

1. अंबेडकर जयंती: महाड़ सत्याग्रह का महत्व - इंडियन एक्सप्रेस
2. ईरान-इज़राइल संघर्ष: एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय - इंडियन एक्सप्रेस
3. IPC रिपोर्ट: गाजा उच्च स्तर पर भूख संकट का सामना कर रहा है - न्यूयॉर्क टाइम्स
4. भारतीय सैन्य टुकड़ियों का दूसरा जत्था मालदीव से रवाना: मालदीव राष्ट्रपति -द हिंदू
5. इक्वाडोर और मेक्सिको के बीच राजनयिक संबंधों को लेकर विवाद - द हिंदू
6. सोलोमन द्वीप के चुनाव में चीन का प्रभाव - द हिंदू
7. भारत की महत्वाकांक्षी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर योजना का 80% काम पूरा हुआ - द हिंदू
8. सरकार ने कंपनियों को सभी गैस आधारित संयंत्रों को मई से चालू करने को कहा - द हिंदू
9. वायरल हेपेटाइटिस पर WHO का अलर्ट - द हिंदू

Editorials, Gists and Explainers

10. जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में सफ़ारी से सम्बंधित मामला - द हिंदू
11. भारत में मानव-वन्यजीव संघर्ष से सम्बंधित मामला- डाउन टू अर्थ

Quick Look

1. खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क:
2. फोर्ट इमैनुएल:
3. प्लेटलेट्स:
4. वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (FSIB):

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन I

1. अंबेडकर जयंती: महाड़ सत्याग्रह का महत्व - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अठारहवीं सदी के मध्य से लेकर वर्तमान तक का आधुनिक भारतीय इतिहास - महत्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, मुद्दे

प्रीलिम्स टेकअवे
- डॉ अम्बेडकर
- पूना पैक्ट

समाचार:
- **महाड सत्याग्रह** को **दलित आंदोलन** की '**मूलभूत घटना**' माना जाता है।
- यह पहली बार था कि **समुदाय** ने **सामूहिक रूप** से **जाति व्यवस्था** को **अस्वीकार** करने और अपने **मानवाधिकारों** पर जोर देने का **संकल्प प्रदर्शित** किया।

हाड़ सत्याग्रह -1927
- **भारत** में **समानता की लड़ाई** में यह एक **निर्णायक क्षण** था।
- **अधूरे वादे: वर्ष** 1923 में, दलितों (अछूतों) को सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचने की अनुमति देने वाला एक कानून पारित किया गया था। हालाँकि, यह परिवर्तन वास्तविकता में परिलक्षित नहीं हुआ।
- **डॉ. बीआर अंबेडकर** को **महाड में दलितों** के लिए एक **सम्मेलन** का **नेतृत्व** करने के लिए **आमंत्रित** किया गया था, हालांकि शुरुआत में इसे एक सम्मेलन का नाम दिया गया था, लेकिन यह एक शक्तिशाली विरोध में बदल गया।
- **परंपराओं की अवहेलना:** लगभग 2,500 दलितों ने अपने बहिष्कार को चुनौती देते हुए एक सार्वजनिक पानी की टंकी तक मार्च किया।
- डॉ. अम्बेडकर ने स्वयं जल को अवज्ञा का एक प्रतीकात्मक कार्य बताया।
- **प्रतिक्रिया का सामना:** ऊंची जाति के हिंदुओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तालाब का शुद्धिकरण किया, जिससे व्याप्त भेदभाव उजागर हुआ।
- **आंदोलन प्रज्वलित** : बिना किसी डर के, डॉ. अंबेडकर ने बड़े पैमाने पर अहिंसात्मक विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया।।
- यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, इस आंदोलन ने **जाति व्यवस्था** को खुले तौर पर चुनौती दी।
- **स्थायी विरासत:** महाड़ सत्याग्रह को भारत में दलित आंदोलन की नींव के रूप में देखा जाता है।
- **डॉ. अम्बेडकर** के **नेतृत्व** में **समान अधिकारों** की **मांग** करने वाला यह **पहला संगठित** प्रयास था।
- इस विरोध ने **जातिगत भेदभाव** के खिलाफ **भविष्य के संघर्षों** के लिए एक खाका तैयार किया और **डॉ. अंबेडकर** को **उत्पीड़ितों के नेता** के रूप में स्थापित किया।

सामान्य अध्ययन II

2. ईरान-इज़राइल संघर्ष: एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मानचित्र आधारित प्रश्न

समाचार:
- दो सप्ताह पहले **सीरिया** के **दमिश्क** में अपने **वाणिज्य दूतावास** पर हुए **इजरायली हमले** के जवाब में, ईरान ने **14 अप्रैल** को **इजरायल** की ओर **सैकड़ों ड्रोन** और **मिसाइलें** दागीं।
- हालाँकि माना जाता है कि **इज़राइल** को शुरुआत में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन **ईरान** ने चेतावनी दी थी कि **इज़राइल** के सैन्य कदम का बहुत बड़ी प्रतिक्रिया होगी।

ईरान-इजरायल टकराव पर भारत का रुख
- **इजराइल** के खिलाफ **ईरान** के जवाबी हमले के बाद **भारत** ने **टकराव** कम करने का आह्वान किया।
- यह दृष्टिकोण **हमास** द्वारा **7 अक्टूबर** के **आतंकवादी हमले** के तुरंत बाद **उच्चतम राजनीतिक** स्तर पर **इज़राइल** के साथ **भारत** की तत्काल एकजुटता की अभिव्यक्ति के विपरीत है।

ईरान-इज़राइल टकराव पर भारत के दृष्टिकोण का महत्व

- ईरान-इज़राइल टकराव के बाद से भारत एक मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है।
- **दो देशों** (जैसे ईरान और इज़राइल) के बीच **लड़ाई** और एक **गैर-राज्य समूह** (जैसे हमास) द्वारा **आतंकवाद** के बीच एक बड़ा अंतर है।
- भारत चाहता है कि **दोनों पक्ष शांत** रहें (संयम दिखाएं) क्योंकि उसके **दोनों देशों** के साथ अ**च्छे संबंध** हैं
- यदि ये **भारत** को एक **दृष्टिकोण का पक्ष** लेते हुए देखते हैं तो इससे क्षेत्र में **शांति को नुकसान** पहुंच सकता है।

क्षेत्रीय राजनीति की जटिलता

- **इज़राइल और ईरान** के बीच टकराव कम करने का **भारत का आह्वान क्षेत्र** की **राजनीति की जटिलता** को पहचानने के बारे में है।
- **मध्य पूर्व** में **अंतर-राज्य** और **अंतर-राज्य संघर्ष** गहरे और व्यापक हैं।
- भारत को प्रमुख क्षेत्रीय प्रतिभागियों **मिस्र, ईरान, इज़राइल, कतर, तुर्की, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात** के साथ अपने जुड़ाव को हमेशा संतुलित रखना होगा।
- इन देशों के रुझान और हित अलग-अलग हैं और अक्सर संघर्ष में रहते हैं।

इस क्षेत्र के प्रति भारत के दृष्टिकोण में बदलाव

- अतीत में, **भारत** की **क्षेत्रीय नीति पश्चिम** और **मध्य पूर्व** के बीच **विरोधाभासों** के संदर्भ में तैयार की गई थी।
- उदाहरण के लिए **अमेरिका-ईरान टकराव** के परिणामों को प्रबंधित करने के लिए भारत के कदम।
- आज दिल्ली क्षेत्र के **आंतरिक अंतर्विरोधों** पर ध्यान देती है।
- जैसे, ईरान **इजराइल** मुद्दा, **इजराइल-फिलिस्तीन** मुद्दा आदि पर भारत का रुख।
- मध्य पूर्व से निपटने के लिए धर्म प्रमुख कारक नहीं हो सकता
- संघर्ष कम करने के लिए **भारत का आह्वान** यह भी रेखांकित करता है कि **मध्य पूर्व** से निपटने में धर्म और संबंधित **वोट-बैंक** की **राजनीति प्रमुख** कारक नहीं हो सकती है।

मध्य पूर्व में भारत के बढ़ते कदम

- खाड़ी के साथ भारत के संबंध सिर्फ तेल और जनशक्ति से परे हैं।
- **सऊदी अरब** और **संयुक्त अरब अमीरात** जैसे देश अब **भारत** के **प्रमुख आर्थिक** और **राजनीतिक** भागीदार हैं।
- यह सहयोग सिर्फ व्यापार से कहीं अधिक व्यापक है, जो पूरे **हिंद महासागर क्षेत्र** को प्रभावित करता है।
- ये साझेदारियाँ **भारत मध्य पूर्व यूरोप कॉरिडोर (IMEC)** बनाने की भारत की योजना के लिए आवश्यक हैं, जो इसकी **अंतर्राष्ट्रीय रणनीति** का एक प्रमुख हिस्सा है।

3. IPC रिपोर्ट: गाजा उच्च स्तर पर भूख संकट का सामना कर रहा है - न्यूयॉर्क टाइम्स

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे

- मानचित्र आधारित प्रश्न
- एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (IPC)।

समाचार:

- **संयुक्त राष्ट्र** के एक अधिकारी ने कहा, "**खाद्य उत्पादन प्रणाली** पूरी तरह से नष्ट हो गई है, और थोड़े समय के भीतर **आपातकालीन सहायता** की पहुंच में कमी के कारण **भारी गिरावट** आई है।"

मुख्य बिंदु

- एक औपचारिक अकाल घोषणा **संयुक्त राष्ट्र** यानी **द इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज़ क्लासिफिकेशन (IPC)** के साथ काम करने वाले एक समूह से आती है।
- तीन मुख्य शर्तें हैं:
  - गंभीर भोजन की कमी से कई घर प्रभावित हो रहे हैं
  - बच्चों के एक बड़े हिस्से में कुपोषण,
  - उच्च मृत्यु दर
- **वर्ष 2004** में अपनी स्थापना के बाद से **IPC** ने **सोमालिया** में **दो अकाल** घोषित किए हैं, **पहला वर्ष 2011** में दशकों के **संघर्षपूर्ण सूखे** और **ध्वस्त अर्थव्यवस्था** के कारण, **दूसरा दक्षिण सूडान** में वर्षों के **सूखे** के कारण **गृह युद्ध** ने **देश** की **अर्थव्यवस्था** को **नष्ट** कर दिया और विद्रोहियों द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया।

- मौजूदा युद्ध से पहले ही **गाजा मिस्र** द्वारा समर्थित **इजरायली नाकेबंदी** के अधीन था।
- जिसके तहत, **खाद्य और वाणिज्यिक आयात** सहित **मानवीय सहायता** को सख्ती से प्रतिबंधित कर दिया गया था।
- लेकिन **हमास** के हमले के बाद, **इज़राइल** ने घेराबंदी कर दी और ऐसी किसी भी चीज़ को रोककर कड़े प्रतिबंध लगा दिए, जिसके बारे में उसका मानना है कि इससे हमास को प्रवेश करने में संभावित रूप से फायदा हो सकता है।
- इसने भोजन के **वाणिज्यिक आयात** को भी अवरुद्ध कर दिया, जिसने **गाजा की दुकानों** और **बाजारों** को भर दिया था, **गाजा के बंदरगाह** और **क्षेत्रीय खेतों** पर **बमबारी** की और **मछली पकड़ने** पर **प्रतिबंध** लगा दिया।
- **हवाई हमलों** और **लड़ाई** के कारण विस्थापन के साथ-साथ **व्यवसायों** के **विनाश और कीमतों** में वृद्धि के कारण **परिवारों** के लिए अपना **पेट भरना मुश्किल** हो गया है।

4. भारतीय सैन्य टुकड़ियों का दूसरा जत्था मालदीव से रवाना: मालदीव राष्ट्रपति -द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मालदीव
- IOR द्वीप

समाचार:
- **मालदीव** के **राष्ट्रपति** ने पुष्टि की कि माले में **विदेशी राजदूत** उन पर अधिकार नहीं जताएंगे और इस बात पर जोर दिया कि अंतिम **शक्ति नागरिकों** के पास है।
- **भारत** द्वारा **मालदीव** को उपहार में दिए गए **हेलीकॉप्टर** की कमान संभालने वाले **भारतीय सैन्यकर्मियों** का **दूसरा जत्था** उनकी मांग के अनुसार द्वीप राष्ट्र छोड़ चुका है।
- **चीन** के साथ **घनिष्ठ संबंध** बनाए रखते हुए नए **राष्ट्रपति** के सत्ता में आने के बाद से **मालदीव** और **भारत** के बीच संबंध खराब हो गए हैं।

भारत-मालदीव संबंध:
- **भारत** और **मालदीव** प्राचीनता से जुड़े **जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक** और **वाणिज्यिक** संबंध साझा करते हैं और **घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण** और **बहुआयामी संबंधों** का आनंद लेते हैं।
- **वर्ष 1965** में **मालदीव** की **आजादी** के बाद उसे मान्यता देने और देश के साथ **राजनयिक संबंध** स्थापित करने वाले पहले लोगों में भारत था ।
- **भारत** ने **वर्ष 1980** में अपना **स्थानीय उच्चायुक्त** स्थापित किया।
- **मालदीव** ने **नवंबर 2004** में **नई दिल्ली** में एक **पूर्ण उच्चायोग** खोला, जो उस समय दुनिया भर में इसके केवल **चार राजनयिक मिशनों** में से एक था।
- **आठ डिग्री चैनल भारतीय मिनिकॉय** (लक्षद्वीप द्वीप समूह का हिस्सा) को **मालदीव** से अलग करता है।

द्विपक्षीय सहायता
- भारत द्वारा क्रियान्वित प्रमुख परियोजनाएँ हैं:
  - इंदिरा गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल (IGMH)
  - इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी संकाय (FET)

उधार की सुविधा
- भारत के द्वारा **1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के **वित्तीय सहायता पैकेज** की घोषणा की गई है

रणनीतिक स्थान:
- मालदीव **हिंद महासागर** में अत्यधिक **सामरिक** महत्व रखता है, जो **अरब सागर** और उससे आगे के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
- इससे **भारत** को **समुद्री यातायात की निगरानी** करने और **क्षेत्रीय सुरक्षा** बढ़ाने की अनुमति मिलती है।
- **सांस्कृतिक संबंध:** भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराना गहरा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध है। 12वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक, बौद्ध धर्म द्वीपों का प्रमुख धर्म था।
- **वज्रयान बौद्ध धर्म** का एक **शिलालेख** है , जो **प्राचीन काल** में **मालदीव** में मौजूद था।

- **क्षेत्रीय स्थिरता:** एक स्थिर और समृद्ध मालदीव भारत की "पड़ोसी पहले" नीति के अनुरूप है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

5. इक्वाडोर और मेक्सिको के बीच राजनयिक संबंधों को लेकर विवाद - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ICJ
- भारत-दक्षिण अमेरिका

समाचार:
- हाल ही में **क्विटो** में **मेक्सिको दूतावास** पर **इक्वाडोर** की **छापेमारी राजनयिक संबंधों** पर वियना **कन्वेंशन** का गंभीर उल्लंघन है जिसके आधार पर **राष्ट्र विदेशी भूमि** में अपने **मिशन संचालित** करते हैं।
- यह छापेमारी **वामपंथी प्रशासन** के एक **पूर्व उपराष्ट्रपति** और **पूर्व राष्ट्रपति** को गिरफ्तार करने के लिए थी, जिन्हें **भ्रष्टाचार** के आरोप में सजा सुनाई गई है।
- मेक्सिको ने कहा कि उसकी **संप्रभुता** का उल्लंघन किया गया है, अब उसने **इक्वाडोर को संयुक्त राष्ट्र** से निष्कासित करने की मांग करते हुए **नीदरलैंड में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय** का रुख किया है।

भारत-इक्वाडोर संबंध:
- **राजनयिक स्थापना:** भारत और इक्वाडोर के बीच राजनयिक संबंध औपचारिक रूप से 19 सितंबर 1969 को स्थापित हुए, जिसने निरंतर राजनयिक जुड़ाव की नींव रखी।

आर्थिक सहयोग:
- **व्यापार और निवेश:** द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग सकारात्मक रहा है।
- दोनों देश आपसी लाभ पर जोर देते हुए व्यापार में सुधार के अवसर सक्रिय रूप से तलाश रहे हैं।
- वर्ष 2021 के दौरान, इक्वाडोर ने खनिज उत्पादों ($569M), लकड़ी के उत्पादों ($64.5M), और कीमती धातुओं ($17.3M) के निर्यात में भारत के साथ बड़ा शुद्ध व्यापार किया था। वर्ष 2021 के दौरान, भारत ने परिवहन ($93.9M), रासायनिक उत्पाद ($92.1M), और धातु ($44.1M) के निर्यात में इक्वाडोर के साथ बड़ा शुद्ध व्यापार किया।।

प्रमुख समझौते:
- **समझौता ज्ञापन (MoUs):** पारंपरिक चिकित्सा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर, द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और सहयोग के लिए एक साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:**
- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA):** भारत और इक्वाडोर दोनों नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास गतिविधियों के लिए संयुक्त प्रतिबद्धता के साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के सक्रिय सदस्य हैं।
- **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** : भारत-इक्वाडोर साझेदारी दक्षिण-दक्षिण सहयोग की अवधारणा में महत्वपूर्ण योगदान देती है, क्योंकि दोनों देश वैश्विक मंच पर विकासशील देशों के हितों की वकालत करने वाले मंचों और गठबंधनों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय:
- **ICJ**, जिसे **विश्व न्यायालय** के रूप में भी जाना जाता है, **संयुक्त राष्ट्र (UN)** का प्रमुख न्यायिक अंग है।
- इसकी स्थापना **जून 1945** में **संयुक्त राष्ट्र के चार्टर** द्वारा की गई और **अप्रैल 1946** में काम शुरू हुआ।
- न्यायालय की सीट **हेग (नीदरलैंड) में पीस पैलेस** में है।
- यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- ICJ की सुनवाई हमेशा सार्वजनिक होती है।
- **आधिकारिक भाषाएँ**: फ्रेंच और अंग्रेजी
- **शक्तियाँ और कार्य:** न्यायालय दो प्रकार के मामलों पर विचार करता है:
- **सबसे पहले**, यह "**विवादास्पद मामलों**" कहे जाने वाले मामलों में दो सदस्य राज्यों के बीच विवाद निपटान निकाय के रूप में कार्य कर सकता है।
- **दूसरा,** यह संयुक्त राष्ट्र निकाय या विशेष एजेंसी द्वारा संदर्भित कानूनी प्रश्न पर एक सलाहकार राय जारी करने के अनुरोध को स्वीकार कर सकता है।

- इसमें **15 न्यायाधीश** शामिल होते हैं, जो सभी **अलग-अलग देशों** से होते हैं, जो **संयुक्त राष्ट्र महासभा** और **सुरक्षा परिषद** में बहुमत से **नौ साल** के लिए चुने जाते हैं।
- न्यायाधीश, जिनमें से **एक-तिहाई हर तीन साल** में चुने जाते हैं, पुनर्निर्वाचन के लिए पात्र होते हैं।

6. सोलोमन द्वीप के चुनाव में चीन का प्रभाव - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सोलोमन द्वीप
- क्वाड

समाचार:
- **सोलोमन द्वीपवासी** हाल ही में चुनावों में उतरेंगे, एक ऐसे चुनाव में **मतदान** करेंगे जो **चीन** की **क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं** को बढ़ावा देने या कुंद करने का वादा करता है।
- यह द्वीपसमूह, **दुनिया** के सबसे कम विकसित देशों में से एक, **चीन** को **पश्चिमी प्रतिद्वंद्वियों** के खिलाफ खड़ा करने वाली **कूटनीतिक लड़ाई** का असंभावित केंद्र बिंदु है।

मुख्य बिंदु
- **सोलोमन** द्वीप **प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावरे** के तहत **चीन** की कक्षा में घुस गया है, जिन्होंने **वर्ष 2022** में **बीजिंग** के साथ एक **सुरक्षा समझौते** पर हस्ताक्षर किए, जिससे **पारंपरिक साझेदार ऑस्ट्रेलिया** और **अमेरिका** को आश्चर्य हुआ।
- **चीनी सहायता** और **निवेश** की एक लहर आई, जिसमें एक अ**त्याधुनिक चिकित्सा केंद्र** और **10,000 सीटों** वाले **एथलेटिक्स स्टेडियम** के लिए **करोड़ों डॉलर** शामिल थे।

सोलोमन द्वीप:
- **सोलोमन** द्वीप **पापुआ न्यू गिनी** के पूर्व में **मेलानेशिया** में एक **राष्ट्र** है , जिसमें **990** से अधिक द्वीप शामिल हैं।
- इसकी **राजधानी होनियारा** है, जो **गुआडलकैनाल द्वीप** पर स्थित है।
- सोलोमन द्वीप समूह में **चोईसेउल, शॉर्टलैंड द्वीप समूह, न्यू जॉर्जिया द्वीप समूह, सांता इसाबेल, रसेल द्वीप समूह, फ्लोरिडा द्वीप समूह** छह प्रमुख द्वीप समूह शामिल हैं।
- पूर्व **ब्रिटिश उपनिवेश** ने **वर्ष 1978** में **स्वतंत्रता** प्राप्त की और **ताइवान** के साथ अपने शुरुआती विदेशी साझेदारों में से एक के रूप में **राजनयिक संबंध** स्थापित किए।
- इसमें **मेलानेशिया** में **ज्वालामुखीय द्वीपों** और **मूंगा एटोल** की दोहरी श्रृंखला शामिल है।
- यह **प्रशांत महासागर** में द्वीपों की एक **महत्वपूर्ण श्रृंखला** है। हाल ही में हुई क्वाड बैठक में **अमेरिका** ने कहा है कि वह "स्वतंत्र और खुले, जुड़े, समृद्ध, सुरक्षित और लचीले" **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** के लिए प्रतिबद्ध है।

e

सामान्य अध्ययन III

7. भारत की महत्वाकांक्षी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर योजना का 80% काम पूरा हुआ - द हिंदू

प्रासंगिकता: बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।

प्रीलिम्स टेकअवे
• रेलवे
• DFC

समाचार:

- भारत का महत्वाकांक्षी **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) 80% पूरा हो चुका है** , रेलवे ने इसे अंतिम रूप देने का लक्ष्य **जून 2024** तक रखा है।
- इस महत्वाकांक्षी परियोजना की नींव **18 साल** पहले रखी गई थी, लेकिन **वर्तमान सरकार** के तहत इसमें अधिक **पूंजीगत व्यय** और **निर्माण** की गति देखी गई है।
- **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर**, एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने पर, **भारत** के लिए एक **गेमचेंजर** साबित होगा क्योंकि वर्तमान में **मालगाड़ियाँ आम रेल लाइनों** पर **यात्री ट्रेनों** के साथ-साथ चलती हैं, जो कि तेजी से बढ़ती **अर्थव्यवस्था** के लिए एक **आदर्श स्थिति** नहीं है, जिसका लक्ष्य एक **औद्योगिक महाशक्ति** बनना है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:

- यह एक **उच्च गति** और **क्षमता** वाला **रेलवे कॉरिडोर** है जो विशेष रूप से **माल** (माल और वस्तुओं) के **परिवहन** के लिए है।
- DFC में बेहतर **आधारभूत संरचना** का **निर्बाध एकीकरण** शामिल है
- **रेल मंत्रालय** ने **दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** (DFC) अर्थात **लुधियाना से सोननगर (1337 किमी)** तक **ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC)** और **जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (JNPT)** से **दादरी (1506 किलोमीटर)** तक **वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC)** का निर्माण शुरू किया है।
- **EDFC** का निर्माण पूरी तरह से पूरा हो चुका है और **WDFC** के 1506 किलोमीटर में से **1220 किलोमीटर** का काम पूरा हो चुका है और पूरे हो चुके खंडों पर ट्रेन परिचालन जारी है।
- **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए, **सरकार** ने समय पर धन का प्रावधान किया है और **राज्य सरकारों** के साथ **सीधे और विभिन्न मंचों** यानी **प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (PMG)** आदि के साथ घनिष्ठ समन्वय करके परियोजना **भूमि अधिग्रहण गतिविधियों** की निगरानी की है।
- एक बार जब **DFC** के सभी खंड पूरे हो जाएंगे, तो **दिल्ली-मुंबई** की अवधि कम होकर **48 घंटे** हो जाएगी।

- अभी तक मालगाड़ी की **औसत गति 20 से 25 किमी प्रति घंटा** है। **DFC** के साथ यह **60 किमी प्रति घंटे** तक हो जाएगी।
- **राष्ट्रीय रेल योजना विजन 2030-** लक्ष्य वर्ष 2030-31 तक 3,600 मिलियन टन (MT) कार्गो को स्थानांतरित करने के लिए लॉजिस्टिक्स बाजार में रेल की मॉडल हिस्सेदारी को 40% -45% तक बढ़ाना है।
- **पीएम गति शक्ति-** रेलवे पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के प्रमुख चालकों में से एक है।
- रेल **मंत्रालय** ने **रेलवे बोर्ड** में एक बहु-विषयक गति **शक्ति निदेशालय** की स्थापना की है।
- सभी **68 डिविजनों** में **गति शक्ति इकाइयां** भी बनाई गई हैं।
- **पीएम गति** शक्ति **राष्ट्रीय मास्टर प्लान** ने **परियोजनाओं** की **शीघ्र मंजूरी, कार्यों** के **निष्पादन की निगरानी** और **अन्य मंत्रालयों/राज्य सरकारों** के साथ समन्वय में मदद की है।

8. सरकार ने कंपनियों को सभी गैस आधारित संयंत्रों को मई से चालू करने को कहा - द हिंदू

प्रासंगिकता: बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।

प्रीलिम्स टेकअवे
- माहिर
- गैस बिजली संयंत्र

समाचार:
- **केंद्र** ने **कंपनियों** को गर्मी के **महीनों** के दौरान **बिजली की मांग** में वृद्धि को पूरा करने के लिए कम उपयोग वाले **गैस-आधारित बिजली संयंत्रों** को संचालित करने और **आयातित कोयला आधारित संयंत्रों** के संचालन का विस्तार करने का निर्देश दिया है, जब **IMD** को **सामान्य से अधिक उच्च तापमान** की उम्मीद होती है।

भारत का विद्युत क्षेत्र:
- भारत में लगभग **24 गीगावाट** (GWs) **गैस आधारित बिजली संयंत्र हैं** जो ईंधन की कमी के कारण दशकों से निष्क्रिय पड़े हैं या कम उपयोग किए जा रहे हैं। सरकार ने अपने आदेश में कहा कि बिजली स्टेशनों को आवश्यकताओं के बारे में **दो सप्ताह** पहले सूचित किया जाएगा ताकि वे **गैस** का **आयात कर** सकें।
- यह देखते हुए कि **भारत** अगले कुछ वर्षों में **7%** से अधिक का विस्तार करेगा, **बिजली की मांग** लगभग **10%** बढ़ जाएगी।
- बिजली सबसे महत्वपूर्ण ढांचागत तत्वों में से एक है, जो किसी **राष्ट्र की भलाई और आर्थिक विकास** के लिए आवश्यक है।
- **31 जनवरी, 2023** तक **411.64 गीगावॉट** की **स्थापित बिजली** क्षमता के साथ **भारत दुनिया** भर में **बिजली** का **तीसरा उत्पादक** और **उपभोक्ता** है।
- भारत की स्थापित **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (पनबिजली सहित) 168.4 गीगावॉट** थी, जो कुल स्थापित बिजली क्षमता का **40.9%** है।
- **भारत** की **ऊर्जा परिवर्तन** में बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं और **वर्ष 2030** तक 500 गीगावॉट **गैर-जीवाश्म-आधारित बिजली** स्थापित क्षमता रखने की योजना है ताकि **वर्ष 2030** तक **गैर-जीवाश्म स्वच्छ ईंधन** में **स्थापित क्षमता मिश्रण** का **50%** शामिल हो।
- **भारत** में **बिजली क्षेत्र** में किसी भी स्रोत (परमाणु ऊर्जा को छोड़कर) से **उत्पादन** के लिए, यहां तक कि **विद्युत ऊर्जा** के संचरण और वितरण के लिए भी **100% FDI** की अनुमति है।
- **पावर सेक्टर** के विकास के लिए **नेशनल स्मार्ट ग्रिड मिशन, सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स , उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना** जैसी कई सरकारी योजनाएं हैं।
- बिजली क्षेत्र में उभरती **प्रौद्योगिकियों** का लाभ उठाने के लिए हाल ही में **उन्नत और उच्च-प्रभाव अनुसंधान (MAHIR**) पर मिशन शुरू किया गया था।
- **'उच्च दक्षता** वाले **सौर पीवी मॉड्यूल** पर **राष्ट्रीय कार्यक्रम'** के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना।

9. वायरल हेपेटाइटिस पर WHO का अलर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रभाव

प्रीलिम्स टेकअवे
- हेपेटाइटिस
- WHO की रिपोर्ट

समाचार:
- हाल ही में जारी **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** की **वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024** के अनुसार, **बांग्लादेश, चीन, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, रूसी संघ** और वियतनाम सामूहिक रूप से हे**पेटाइटिस** B और C के वैश्विक भार का लगभग **दो-तिहाई** हिस्सा वहन करते हैं।
- रिपोर्ट से पता चलता है कि यह **बीमारी वैश्विक स्तर** पर मृत्यु का दूसरा **प्रमुख संक्रामक** कारण है, प्रति **वर्ष 1.3 मिलियन लोगों** की मृत्यु होती है, जो कि **तपेदिक** के समान है, जो एक **शीर्ष संक्रामक** हत्यारा है।

हेपेटाइटिस रोग:
- **हेपेटाइटिस यकृत** की सूजन है जो विभिन्न प्रकार के **संक्रामक वायरस** और **गैर-संक्रामक एजेंटों** के कारण होती है जिससे कई प्रकार की **स्वास्थ्य समस्याएं** होती हैं।
  - जिनमें से कुछ घातक हो सकते हैं **हेपेटाइटिस वायरस** के **पांच मुख्य प्रकार** हैं, जिन्हें प्रकार **A, B, C, D और E** कहा जाता है।
- **भारत असुरक्षित** है क्योंकि **बड़ी संख्या** में मामले अनजान हैं, **लक्षणों, जांच** और **उपचार** के बारे में **जागरूकता** की कमी और अच्छी **स्वच्छता गतिविधियों** तक पहुंच नहीं है।
- **हेपेटाइटिस B** और **C** सबसे व्यापक रूप से लोगों में पाए जाने वाले वायरस हैं, **हेपेटाइटिस B** को **टीकाकरण** के माध्यम से रोका जा सकता है, जबकि **हेपेटाइटिस C दवाओं से** ठीक हो सकता है।
- **क्रोनिक हेपेटाइटिस B** और सी संक्रमण का आधा भार **30-54 वर्ष** की आयु के लोगों में है, **12% 18 वर्ष** से **कम उम्र के बच्चों** में है।
- सभी मामलों में **58%** मामले **पुरुषों** के हैं।
- अधिकांश **नए संक्रमणों** के लिए **मां से बच्चे** में संचरण जिम्मेदार है, और **भारत में हेपेटाइटिस B** के उन्मूलन के लिए व्यापक उपचार **कवरेज, टीकाकरण और रोगियों** के खिलाफ किसी भी भेदभाव को समाप्त करने की आवश्यकता है।
- **WHO** के आंकड़ों से पता चलता है कि **वर्ष 2030** तक **क्रोनिक हेपेटाइटिस B** और **हेपेटाइटिस C** से **पीड़ित 80%** लोगों के इलाज के वैश्विक लक्ष्य से परिणाम काफी नीचे हैं।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

10. जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में सफ़ारी से सम्बंधित मामला - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:
- मार्च में अपने फैसले में, **सुप्रीम कोर्ट** ने **उत्तराखंड** में **जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क** में **6,000 पेड़ों** की कटाई के लिए जिम्मेदार **राजनेताओं, वन अधिकारियों** और **स्थानीय ठेकेदारों** की **नापाक सांठगांठ** को उजागर किया।

मुख्य बिंदु

- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972, प्रोजेक्ट टाइगर और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 सहित नीतियों और कानूनों के माध्यम से संरक्षण लक्ष्यों को प्राथमिकता मिलने के बावजूद राज्य का मुख्य हित राजस्व बढ़ाना है।
- जिम कॉर्बेट में पेड़ों के अवैध विनाश को ग्रामीण मुकदमेबाजी और हकदारी केंद्र बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में वर्ष 1983 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उल्लंघन में देखा जा सकता है।
    - जिसमें कहा गया था कि "पर्यावरण विनाश और लोगों के स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार की कीमत पर आर्थिक विकास हासिल नहीं किया जा सकता है।"
- राष्ट्रीय और राज्य वन प्राधिकरण एक साथ संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने, राजस्व बढ़ाने और स्थानीय लोगों की आजीविका में सुधार करने के लिए इकोटूरिज्म पर निर्भर हो गए हैं।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दृष्टिकोण पर्यावरण-केंद्रित होना चाहिए न कि मानव-केंद्रित होना चाहिए।
- अदालत ने मुख्य क्षेत्रों में बाघ सफारी पर प्रतिबंध लगाने और न केवल जिम कॉर्बेट, बल्कि पूरे भारत में परिधीय क्षेत्रों में बाघ सफारी की अनुमति देने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक समिति के गठन का निर्देश दिया।
- यह राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के वर्ष 2019 के दिशानिर्देशों से भी असहमत है, जो एक राष्ट्रीय उद्यान में चिड़ियाघर की तर्ज पर बाघ सफारी की अनुमति देता है।
- अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि बाघों को उसी परिदृश्य से लाया जाना चाहिए जहां सफारी संचालित की जा रही है, न कि बाघ अभयारण्य के बाहर से है ।
- सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की वर्ष 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अपने चार जैव विविधता हॉटस्पॉट के तहत 90% क्षेत्र खो दिया है।

कोर्ट से चूक

- पुनर्स्थापन की लागत वसूलने का मतलब सामान और सेवाएँ प्रदान करने की पर्यावरण की क्षमता के नुकसान की भरपाई करना नहीं है।
- भारत में, मूल्यांकन की रूपरेखा, जो टीएन गोदावर्मन मामले (1996) से पहले की थी, का उद्देश्य खोए हुए प्राकृतिक वनों को प्रतिपूरक वृक्षारोपण के साथ बदलना था।
- दो विकल्प जो कानूनी और संस्थागत रूप से समर्थित हैं और भारत में वन भूमि के मूल्यांकन के लिए पृष्ठभूमि के रूप में काम करते हैं, वे अब प्रतिपूरक वनीकरण लेवी और शुद्ध वर्तमान मूल्य (NPV) हैं।

निष्कर्ष

- न्यायालय यह कहकर एक मिसाल कायम कर सकता था कि **पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ** अधिक महत्वपूर्ण हैं और **पर्यावरण-पर्यटन** की तुलना में अधिक **राजस्व उत्पन्न** करती हैं या **पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं** से संबंधित एक सटीक कानून और नीति बनाने की आवश्यकता पर बल दे सकती थी।
- **कोस्टा रिका बनाम निकारागुआ (2018)** में अंतर्राष्ट्रीय **न्यायालय (ICJ)** द्वारा दिए गए तर्क का उपयोग **पर्यावरण** को होने वाले नुकसान के **मूल्यांकन** के तरीकों को समझने के लिए किया जा सकता था।

11. भारत में मानव-वन्यजीव संघर्ष से सम्बंधित मामला- डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।
प्रसंग:

- **भारत**, अपनी **समृद्ध जैव विविधता** और बढ़ती **मानव आबादी** के साथ, **मानव-पशु संघर्ष** की एक महत्वपूर्ण चुनौती से जूझ रहा है।
- जैसे-जैसे आवास सिकुड़ते जा रहे हैं और **मानवीय गतिविधियाँ वन्यजीव क्षेत्रों** पर अतिक्रमण कर रही हैं, **मनुष्यों और जानवरों**, मुख्य रूप से **बाघों और हाथियों** के बीच टकराव बढ़ गया है, जिससे **दोनों समुदायों** के लिए खतरा पैदा हो गया है।
- **लोकसभा चुनाव** से पहले **केरल** जैसे **राज्यों** में यह एक **प्रमुख मुद्दा** बनकर उभरा है। सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने और **भारत की प्राकृतिक विरासत** को **संरक्षित** करने के लिए इस **संघर्ष** को समझना और कम करना महत्वपूर्ण है।

मुख्य बिंदु

- **जनसंख्या स्थिति**: भारत में जंगली हाथियों और बाघों की बड़ी आबादी रहती है, जिससे अक्सर मनुष्यों के साथ मुठभेड़ होती है, जिसके परिणामस्वरूप दोनों तरफ मौतें होती हैं।
- **पर्यावास विखंडन:** शहरीकरण, कृषि विस्तार और ढांचागत विकास ने प्राकृतिक आवासों को खंडित कर दिया है, जिससे वन्यजीवों को मानव बस्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।
- **आर्थिक प्रभाव:** फसल की बर्बादी और पशुधन के शिकार से किसानों को आर्थिक नुकसान होता है, जिससे समुदायों और वन्यजीवों के बीच टकराव बढ़ जाता है।

आयाम - प्रभाव एवं चुनौतियाँ

- **आर्थिक कठिनाइयाँ** : फसल क्षति और पशुधन की हानि वन्यजीव आवासों के पास रहने वाले समुदायों की आजीविका को प्रभावित करती है।
- **मनोवैज्ञानिक संकट:** प्रभावित समुदायों में भय और चिंता व्याप्त है, जिससे वन्यजीवों के प्रति शत्रुता कायम है।
- **संरक्षण दुविधा** : मानव आजीविका आवश्यकताओं के साथ संरक्षण प्रयासों को संतुलित करना एक जटिल दुविधा प्रस्तुत करता है, जिससे अक्सर हितों का टकराव होता है।

आयाम - आवश्यक रणनीतियाँ

- **व्यापक दृष्टिकोण:** मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए सक्रिय उपायों और सामुदायिक भागीदारी से युक्त एक बहु-आयामी रणनीति की आवश्यकता है।
- **स्थायी समाधान** : बिजली की बाड़ और मधुमक्खी के छत्ते की बाड़ जैसी नवीन निवारक विधियाँ वन्यजीवों को नुकसान पहुँचाए बिना संघर्ष को कम कर सकती हैं।
- **सामुदायिक सशक्तिकरण** : समुदाय-आधारित संरक्षण पहल और वैकल्पिक आजीविका विकल्पों में निवेश करने से वन्यजीवों के प्रति सहिष्णुता को बढ़ावा मिल सकता है और सामाजिक-आर्थिक बोझ कम हो सकता है।

HWC प्रबंधन के छह तत्व

- **संघर्ष को समझना:** किसी भी स्थिति में संघर्ष के संदर्भ को समझने के लिए संघर्ष प्रोफ़ाइल के सभी पहलुओं पर शोध करना, HWC के घटित होने के बाद उसके प्रभावों को कम करना (मुआवजा, बीमा, वैकल्पिक आजीविका, आदि)
- **प्रतिक्रिया:** चल रही HWC घटना को संबोधित करना (प्रतिक्रिया दल, रिपोर्टिंग तंत्र, मानक संचालन प्रक्रियाएं, आदि)
- **रोकथाम** : HWC को घटित होने से पहले रोकना या रोकना (बाड़, शीघ्र पता लगाने वाले उपकरण, सुरक्षित कार्य वातावरण, आदि)
- **नीति** : प्रोटोकॉल, सिद्धांतों, प्रावधानों और कानून में निर्धारित और अधिकारियों द्वारा किए गए उपायों के माध्यम से HWC प्रबंधन को सक्षम करना (अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानून, राष्ट्रीय और स्थानीय एचडब्ल्यूसी प्रबंधन योजनाएं, स्थानिक योजनाएं, आदि)
- **निगरानी** : समय के साथ HWC प्रबंधन हस्तक्षेपों के प्रदर्शन और प्रभावशीलता को मापना (डेटा संग्रह, सूचना साझा करना, अनुकूली प्रबंधन, आदि)

Mentorship India

फैक्ट फटाफट

1. खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क

- यह दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क है।
- यह गुजरात के कच्छ क्षेत्र के खावड़ा में स्थित है, जिसमें मुख्य रूप से सौर ऊर्जा द्वारा संचालित 45 गीगावॉट की प्रभावशाली क्षमता है।
- इस क्षेत्र में लद्दाख के बाद देश में दूसरा सबसे अच्छा सौर विकिरण है और हवा की गति मैदानी इलाकों की तुलना में पांच गुना अधिक है।
- पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से सिर्फ एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित, ऊर्जा पार्क सीमा सुरक्षा बल (BSF) द्वारा संचालित एक बफर जोन बनाए रखता है।
- मूल रूप से हवाई यातायात नियंत्रण के बिना केवल एक मामूली हवाई पट्टी द्वारा पहुंच योग्य, यह साइट अब एक महत्वपूर्ण स्वच्छ ऊर्जा उद्यम के लिए तैयार है। यह 538 वर्ग किलोमीटर में फैला है, जो पेरिस के आकार का लगभग पांच गुना है।

2. फोर्ट इमैनुएल

- यह केरल के कोच्चि में फोर्ट कोच्चि बीच पर स्थित एक खंडहर किला है, इसे मूल रूप से वर्ष 1503 में बनाया गया था और वर्ष 1538 में इसे सुदृढ़ किया गया था।
- यह कोच्चि के महाराजा और पुर्तगाल के सम्राट के बीच रणनीतिक गठबंधन का प्रतीक था, जिनके नाम पर इसका नाम रखा गया था।
- यह एक विशाल संरचना थी और पूरी बस्ती इसके दायरे में थी। इससे क्षेत्र पर पुर्तगाली कब्जे को मजबूत करने में काफी मदद मिली।
- फोर्ट कोच्चि वर्ष 1683 तक पुर्तगालियों के कब्जे में रहा, जब डच औपनिवेशिक सैनिकों ने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पुर्तगाली संस्थानों को नष्ट कर दिया।
- वर्ष 1795 तक डचों ने किले को अपने कब्जे में रखा, जब अंग्रेजों ने डचों को हराकर इस पर कब्ज़ा कर लिया। वर्ष 1806 तक, डच और बाद में अंग्रेजों ने किले की अधिकांश दीवारों और उसके गढ़ों को नष्ट कर दिया था।

3. प्लेटलेट्स

- प्लेटलेट्स, या थ्रोम्बोसाइट्स, हमारे रक्त में छोटे, रंगहीन कोशिका टुकड़े होते हैं जो थक्के जमने में मदद करते हैं। वे रक्तस्राव को रोकने के लिए हमारे शरीर की प्राकृतिक पट्टी हैं।
- वे आपकी हड्डियों (अस्थि मज्जा) के नरम ऊतकों में बनते हैं। आपकी अस्थि मज्जा में सबसे बड़ी कोशिकाएं (मेगाकार्योसाइट्स) प्लेटलेट्स बनाती हैं।
- ये एक प्लेट के आकार में बनते हैं, यहीं से उन्हें अपना नाम मिलता है।
- ये लाल या सफेद रक्त कोशिकाओं से छोटी होती हैं।

4. वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (FSIB)

- यह वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) के तहत स्थापित एक सरकारी निकाय है।
- FSIB की प्राथमिक भूमिका जनशक्ति क्षमताओं की पहचान करना और सरकार के स्वामित्व वाले वित्तीय संस्थानों में वरिष्ठ पदों के लिए प्रतिभा का उचित चयन सुनिश्चित करना है।
- इसने बैंक बोर्ड ब्यूरो (BBB) का स्थान ले लिया, जिसे एक अक्षम प्राधिकारी घोषित किया गया था।
- एफएसआईबी का अध्यक्ष केंद्र सरकार द्वारा नामित एक अध्यक्ष होगा।
- बोर्ड में DFSके सचिव, IRDAI के अध्यक्ष और RBI के एक डिप्टी गवर्नर शामिल होंगे।
- इसके अतिरिक्त, इसमें तीन अंशकालिक सदस्य होंगे जो बैंकिंग के विशेषज्ञ होंगे और तीन अन्य बीमा क्षेत्र से होंगे।

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें

1. व्यक्तिगत सत्याग्रह : ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध विरोध
2. वैकोम सत्याग्रह: ब्रिटिश वायसराय के खिलाफ विरोध
3. महाड सत्याग्रह: भारत की उच्च जाति के खिलाफ

ऊपर दिए गए युग्म में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें

	क्षेत्र	: देश
1.	चुशूल	: भारत
2.	गेलेफु	: यूनाइटेड किंगडम
3.	तेहरान	: इराक

ऊपर दिए गए कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q3. निम्न पर विचार करें:

	देश	शहर
1.	मिस्र	हाइफ़ा
2.	सीरिया	दमिश्क
3.	साइप्रस	निकोसिया

ऊपर दिए गए कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q4. समाचार में निम्नलिखित स्थानों पर विचार करें-

	राजधानी	देश
1.	क्विटो	सोलोमन द्वीप
2.	होनियारा	इक्वाडोर
3.	पोर्ट मोरेस्बी	पापुआ न्यू गिनी

ऊपर दिए गए कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q5. निम्नलिखित युग्म पर विचार करें

	देश	भूगोल
1.	इक्वाडोर	एंडियन हाइलैंड्स
2.	सीरिया	जबल अल-डुज़ रेंज
3.	साइप्रस	ट्रूडोस

ऊपर दिए गए युग्मों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q6. सोलोमन द्वीप समूह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. सोलोमन द्वीप, दक्षिणपूर्वी प्रशांत महासागर में स्थित देश
2. यह 1978 तक एक पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश था।
3. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ये द्वीप विवाद का विषय थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q7. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारत बिजली का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है
2. स्वचालित मार्ग के तहत 78% FDI की अनुमति है
3. भारत में कुल क्षमता का 35% नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन है

कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. सभी 3
D. कोई नहीं

Q8. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. बिजली क्षेत्र के लिए सरकार द्वारा उन्नत और उच्च प्रभाव अनुसंधान पर मिशन (MAHIR) योजना शुरू की गई थी
2. इसका मुख्य फोकस मौजूदा विद्युत क्षेत्र इकाइयों में सुधार करना और उनकी दक्षता बढ़ाना है

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

A. कथन I और कथन II दोनों सही हैं और कथन II कथन I की सही व्याख्या है

B. कथन I और कथन II दोनों गलत हैं और कथन II कथन I का सही व्याख्या नहीं है

C. कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है

D. कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

Q9. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

राष्ट्रीय उद्यान:	**राज्य**
1. दक्षिण बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान	– अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
2. मथिकेत्तन शोला राष्ट्रीय उद्यान	– केरल
3. रानी झाँसी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान	– अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक

B. केवल दो

C. सभी तीनों

D. कोई नहीं

Q10. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. 2008 में, केंद्र ने जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC) के तहत आठ मिशन शुरू किए।
2. राष्ट्रीय सौर मिशन, उन्नत ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन कुछ मिशन हैं
3. आठ मिशनों में से एक, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनिंग द हिमालयन इकोसिस्टम (NMSHE) का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रति हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता का वैज्ञानिक रूप से आकलन करने की क्षमता विकसित करना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक

B. केवल दो

C. सभी तीनों

D. कोई नहीं

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प B सही है

व्याख्या

- 1940 में अगस्त प्रस्ताव की विफलता के बाद, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अंग्रेजों के खिलाफ महात्मा गांधी के नेतृत्व में "व्यक्तिगत सत्याग्रह" शुरू करने का फैसला किया।
- वाइकोम सत्याग्रह त्रावणकोर के पास वाइकोम नामक स्थान पर निचली जाति के लोगों पर अत्याचार और छुआछूत के खिलाफ एक सामाजिक विरोध था **। अतः युग्म 2 गलत है**
- 1927 का महाड़ सत्याग्रह
- यह भारत में समानता की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण क्षण था।
- अधूरे वादे: 1923 में, दलितों (अछूतों) को सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचने की अनुमति देने वाला एक कानून पारित किया गया था। हालाँकि, यह परिवर्तन वास्तविकता में परिलक्षित नहीं हुआ। **अतः 1 और 3 युग्म सही हैं**

उत्तर : 2 विकल्प A सही है

व्याख्या

- द्वितीय विश्व युद्ध का अंतिम बड़ा संघर्ष, 1945 में 80 से अधिक दिनों तक चला।
- अमेरिकी सेना ने जापान की मुख्य भूमि के निकट रणनीतिक रूप से स्थित एक द्वीप ओकिनावा पर दृढ़ जापानी रक्षा से कब्ज़ा करने के लिए लड़ाई लड़ी। ओकिनावा जापान में है
- चुशुल भारत के लद्दाख के लेह जिले का एक गाँव है। यह दुरबुक तहसील में स्थित है, जिसे "चुशुल घाटी" के नाम से जाना जाता है।
- भूटान के राजा ने नवंबर 2023 में भारत की यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने दक्षिणी भूटान के गेलेफू में माइंडफुलनेस सिटी की अपनी योजना का संकेत दिया। गेलेफू भूटान में है.
- **अतः केवल एक जोड़ा सही है**
- तेहरान ईरान और तेहरान प्रांत की राजधानी है। शहर में लगभग 9 मिलियन और व्यापक महानगरीय क्षेत्र में 16 मिलियन की आबादी के साथ,

उत्तर : 3 विकल्प B सही है

व्याख्या-

- हाइफ़ा इज़राइल का एक शहर है, **इसलिए युग्म 1 गलत है।**
- सीरिया की राजधानी दमिश्क है, इसलिए युग्म 2 सही है
- साइप्रस की राजधानी निकोसिया है **, इसलिए युग्म 3 सही है**

उत्तर : 4 विकल्प A सही है

व्याख्या

- **क्विटो** में मेक्सिको दूतावास पर इक्वाडोर का छापा राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन का गंभीर उल्लंघन है, जिसके आधार पर राष्ट्र विदेशी भूमि में अपने मिशन संचालित करते हैं। इक्वाडोर की राजधानी क्विटो है, **इसलिए युग्म 1 गलत है**
- सोलोमन द्वीप की राजधानी होनियारा है, सोलोमन द्वीप पापुआ न्यू गिनी के पूर्व में मेलानेशिया में एक राष्ट्र है, जिसमें 990 से अधिक द्वीप शामिल हैं, जो गुआडलकैनाल द्वीप पर स्थित है। **अतः युग्म 2 गलत है**
- पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी है, **इसलिए युग्म 3 सही है**

उत्तर : 5 विकल्प C सही है

व्याख्या

- इसमें पश्चिम में पर्वत श्रृंखलाएं और अंतर्देशीय ढलान वाला क्षेत्र शामिल है। पूर्व में सीरियाई रेगिस्तान है और दक्षिण में जबल अल-ड्रुज़ रेंज है।
- इक्वाडोर दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट पर भूमध्य रेखा तक फैला एक देश है। इसके विविध परिदृश्य में अमेज़ॅन जंगल, एंडियन हाइलैंड्स शामिल हैं
- इस द्वीप पर दो पर्वत श्रृंखलाओं का प्रभुत्व है, ट्रूडोस पर्वत और किरेनिया पर्वत या पेंटाडाक्टाइलोस, और उनके बीच केंद्रीय मैदान, मेसोरिया है।
- **अतः सभी युग्म सही हैं**

उत्तर : 6 विकल्प A सही है

व्याख्या:

- सोलोमन द्वीप, **दक्षिण-पश्चिमी** प्रशांत महासागर में एक देश। इसमें मेलानेशिया में ज्वालामुखीय द्वीपों और मूंगा एटोल की दोहरी श्रृंखला शामिल है, **इसलिए कथन 1 गलत है।**

- पूर्व **ब्रिटिश** उपनिवेश को 1978 में स्वतंत्रता मिली, **इसलिए कथन 2 गलत है**
- सोलोमन द्वीप द्वितीय विश्व युद्ध का एक महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्र था। **अतः कथन 3 सही है।**

उत्तर : 7 विकल्प D सही है

व्याख्या:

- 31 जनवरी, 2023 तक 411.64 गीगावॉट की स्थापित बिजली क्षमता के साथ भारत दुनिया भर में **बिजली का तीसरा उत्पादक और उपभोक्ता है । इसलिए, कथन 1 गलत है**
- भारत की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (पनबिजली सहित) 168.4 गीगावॉट थी, जो कुल स्थापित बिजली क्षमता का **40.9% है । इसलिए, कथन 3 सही नहीं है**
- भारत की ऊर्जा परिवर्तन में बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं और 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म-आधारित बिजली स्थापित क्षमता रखने की योजना है ताकि 2030 तक गैर-जीवाश्म स्वच्छ ईंधन में स्थापित क्षमता मिश्रण का 50% शामिल हो।
- भारत में बिजली क्षेत्र में किसी भी स्रोत (परमाणु ऊर्जा को छोड़कर) से उत्पादन के लिए, यहां तक कि विद्युत ऊर्जा के संचरण और वितरण के लिए भी **100% FDI की अनुमति है। इसलिए, कथन 12 गलत है**

उत्तर : 8 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- बिजली क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए हाल ही में उन्नत और उच्च-प्रभाव अनुसंधान (MAHIR) पर मिशन शुरू किया गया था।
- ऊर्जा मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने संयुक्त रूप से बिजली क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों की शीघ्रता से पहचान करने और उन्हें भारत के भीतर और बाहर तैनाती के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी रूप से विकसित करने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- हालाँकि यह योजना उभरती प्रौद्योगिकियों पर लागू होती है न कि मौजूदा तकनीकी विद्युत इकाइयों पर, **इसलिए कथन 2 गलत है।**

उत्तर : 9 विकल्प C सही है

व्याख्या

- दक्षिण बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान -अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- सैडल पीक नेशनल पार्क -अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- रानी झाँसी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान -अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- अंशी राष्ट्रीय उद्यान -कर्नाटक
- साइलेंट वैली नेशनल-पार्क -केरल
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान- केरल
- पम्बदुम- शोला राष्ट्रीय उद्यान केरल
- मथिकेट्टन-शोला राष्ट्रीय उद्यान केरल
- **अतः सभी युग्म सही हैं**

उत्तर : 10 विकल्प C सही है

व्याख्या

- 2008 में, केंद्र ने जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC) के तहत आठ मिशन शुरू किए।
- इनमें से एक विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय यानी नेशनल मिशन फॉर सस्टेनिंग द हिमालयन इकोसिस्टम (NMSHE) के अधीन था।
- "NMSHE का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रति हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता का वैज्ञानिक रूप से आकलन करने और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की स्वास्थ्य स्थिति का लगातार आकलन करने की क्षमता विकसित करना है"। जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC) के तहत आठ (08) राष्ट्रीय मिशनों के लिए संशोधित मिशन दस्तावेज़, अर्थात् - राष्ट्रीय सौर मिशन, उन्नत ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन। **अतः सभी कथन सही हैं**

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA